RAJASTHAN PUBLIC SERVICE COMMISSION, AJMER

SYLLABUS OF COMPETITIVE EXAMINATION FOR THE POST OF SENIOR TEACHER
SECONDARY EDUCATION DEPARTMENT

हिन्दी

PAPER- II

खंड–प्रथम

माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तर :-

- **वर्ण–व्यवस्था**
  - स्वर व व्यंजनों का वर्गीकरण
  - कोश–क्रम
- **शब्द–वर्गीकरण (स्रोत के आधार पर)**
  - तत्सम
  - तद्भव
  - विदेशी
- **शब्द–वर्गीकरण (व्याकरण आधारित)**
  - संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया व इन सभी के भेद
  - क्रियाविशेषण व भेद
- **व्याकरणिक कोटियाँ**
  - लिंग
  - वचन
  - कारक
  - काल
- **शब्द–रचना**
  - संधि (स्वर व व्यंजन) व भेद
  - समास व भेद
  - उपसर्ग
  - प्रत्यय व भेद
- **शब्द–ज्ञान**
  - पर्यायवाची शब्द
  - विलोम शब्द
  - अनेकार्थी शब्द
  - समश्रुत भिन्नार्थक शब्द
  - वाक्यांश के लिए एक शब्द
- **वाक्य –रचना**
  - वाक्य के अंग
  - वाक्य के भेद–उपभेद

- **शब्द–शुद्धीकरण**
- **वाक्य –शुद्धीकरण**
- **मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ –** अर्थ एवं प्रयोग

खंड–द्वितीय

स्नातक स्तर:-

- **शब्द शक्तियाँ, काव्य–गुण**
  - भेद व उदाहरण
- **काव्य–दोष**
  - श्रुतिकटुत्व, ग्राम्यत्व, अप्रतीतत्व, क्लिष्टत्व, अक्रमत्व तथा दुष्क्रमत्व
- **अलंकार**
  - श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, संदेह, भ्रांतिमान, विरोधाभास, अतिशयोक्ति, असंगति, अपह्नुति ।
- **छंद**
  - द्रुतविलम्बित, हरिगीतिका, दोहा, सोरठा, कुण्डलिया, चौपाई, छप्पय, मन्दाक्रान्ता, मनहरण कवित्त, मत्तगयन्द सवैया
- **रस**
  - रस का स्वरूप, रसावयव, रस–भेद
- **हिन्दी साहित्य का इतिहास (पूर्व आधुनिक काल)**
  - नामकरण व कालविभाजन
  - आदिकाल, भक्तिकाल व रीतिकाल
    - काव्य धाराएँ, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रचनाएँ व रचनाकार
- **हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)**
  - पद्य
    - भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, छायावादोत्तर युग की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रचनाएँ व रचनाकार
  - गद्य
    - कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रचनाएँ व रचनाकार
- **हिन्दी भाषा**
  - हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास
  - हिन्दी एवं उसकी बोलियाँ
  - राजस्थानी की प्रमुख बोलियाँ
  - देवनागरी लिपि का मानक स्वरूप

निर्धारित पाठ:-

- **कबीर ग्रन्थावली** – सं0 श्यामसुन्दर दास
  - साखी – प्रारम्भिक 5 अंग
  - पद – प्रारम्भिक 10 पद

- **रामचरितमानस** – तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर
  - बालकाण्ड
- **भ्रमरगीतसार** –सूरदास – सं0 रामचन्द्र शुक्ल
  - पद– प्रारम्भिक 20 पद
- **मीरां पदावली** – सं0 शम्भूसिंह मनोहर
  - पद– प्रारम्भिक 20 पद
- **बिहारी रत्नाकर** – सं0 जगन्नाथदास रत्नाकर
  - दोहे– प्रारम्भिक 20 दोहे
- **वीर सतसई** – सूर्यमल्ल मीसण – सं0 नरोत्तमदास स्वामी
  डॉ0 नरेन्द्र भानावत
  लक्ष्मी कमल
  - दोहे– प्रारम्भिक 20 दोहे

- **कुरुक्षेत्र** – रामधारी सिंह दिनकर
  - छठा सर्ग
- **कामायनी** – जयशंकर प्रसाद
  - श्रद्धा सर्ग
- **चिन्तामणि (भाग–1)** – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
  - उत्साह
  - श्रद्धा और भक्ति
  - लोभ और प्रीति
- **गोदान** – प्रेमचन्द
- **कहानियाँ**
  - उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
  - पूस की रात – प्रेमचन्द
  - यही सच है – मन्नू भंडारी
- **आषाढ़ का एक दिन** – मोहन राकेश

खंड–तृतीय

हिन्दी शिक्षण एवं शिक्षण विधियाँ

(अ)

– भाषायी कौशलों के विकास हेतु निम्नांकित पक्षों के स्वरूप का शिक्षण– श्रवण, उच्चारण, वर्तनी, वाचन (सस्वर व मौन) अभिव्यक्ति (लिखित एवं मौखिक)

– हिन्दी की विभिन्न विधाओं का शिक्षण, शिक्षण विधियाँ एवं पाठ योजना निर्माण (इकाई व दैनिक)– गद्य शिक्षण, पद्य शिक्षण, व्याकरण शिक्षण, रचना शिक्षण, नाटक शिक्षण

(आ)

– भाषा शिक्षण में निदानात्मक परीक्षण व उपचारात्मक शिक्षण

– भाषा शिक्षण में सहायक सामग्री का उपयोग

– भाषा शिक्षण में मूल्यांकन– सतत एवं समग्र मूल्यांकन, पाठान्तर्गत व पाठोपरांत मूल्यांकन

*****

For the competitive examination for the post of **Senior Teacher :-**

1. The question paper will carry maximum **300 marks**.
2. Duration of question paper will be **Two Hours Thirty Minutes**.
3. The question paper will carry **150 questions** of multiple choices.
4. Negative marking shall be applicable in the evaluation of answers. For every wrong answer one third of the marks prescribed for that particular question shall be deducted.
5. Paper shall include following subjects :-
   (i) Knowledge of Secondary and Senior Secondary Standard about relevant subject matter.
   (ii) Knowledge of Graduation Standard about relevant subject matter.
   (iii) Teaching Methods of relevant subject.

*****